Chairman of Indian Olympic Association

3581. SHRI DINKARRAO GOVINDRAO PATIL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state

(a) whether a new Chairman of the Indian Olympic Association has been elected at a meeting m Trivandrum; and

(b) if so, what is the name of the elected person?

THE MINISTER OF HUMAN RE SOURCE DEVELOPMENT AND THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI P. V. NARASIMHA RAO); (a) and (b) According to in formation made available to Government, Shri B. S. Adityan has been elected as officiating President of the Indian Olym pic Association at its Special General Meeting held in Trivandi m on 27.10. 1987.

Persons benefited by Adult Education scheme

3582. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI; Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of persons benefited by the Adult Education scheme in the country from January 1985 till September, 1987; and

(b) what is rne target fixed in this regard during the current financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) The number of persons enrolled in the Adult Education Programme from 1.1.1985 to 30.9.1987 were 2,84,20,248.

(b) A target of 89.23 lakhs persons have been fixed for 1987-88.

रेलवे सुरक्षा आयोग की रिपोर्ट

3583. **श्रीमती रेणुका चौधरी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे सुरक्षा आयोग (1986-87) ने अपनी 1986-87 की रिपोर्ट दे दी है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उक्त रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश रेलवे दुर्घटनाओं का कारण रेलवे कर्मचारियों द्वारा गलती करना है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने प्रशासन को चुस्त बनाने के लिये क्या क्या प्रभावी पग उठाये हैं, ताकि रेल दुर्घटनायें न हों ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) और (ख) जी हां ।

(ग) रेलों के संचालन में मानवीय-तत्व में सुधार करके संरक्षा बढ़ाने की दृष्टि से निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपाय किये गये हैं :—

(i) पर्यवेक्षकों और अधिकारियों द्वारा रेल निरीक्षणों को गहन करना ।

(ii) दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों का निरीक्षण करने तथा शोधक उपाय सुझाने के लिये बहु-उद्देशीय दलों का गठन ।

(iii) कर्मचारियों को परामर्श देना विशेषकर ड्राइवरों, सहायक स्टेशन मास्टरों आदि को ।

(iv) प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पुनः नया रूप देना तथा प्रश्न-चर्या पाठ्यक्रमों पर बल देना ।